No. of Printed Pages : 3

BHDC–132

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(सी. बी. सी. एस.)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.डी.सी.-132 : मध्यकालीन हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 20

(क) यह तन जालौ मसि करौं, लिखौं राम का नाऊँ।

लेखणि करूँ करंक की, लिखि लिखि राम पठाऊँ॥

(ख) हरि सा हीरा छांडि कै, करै आन की आस।

ते नर जमपुर जाहिंगे, सत भाषै रविदास॥

(ग) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।

पानी गए न ऊबरै, मोती मानुस चून॥

2. भक्तिकाव्य के विकास का परिचय दीजिए। 20

3. रीतिकालीन परिस्थितियों का विवेचन कीजिए। 20

4. जायसी की भाषागत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 20

5. मीराबाई के काव्य के अभिव्यंजना पक्ष की विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 20

6. तुलसीदास का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं पर प्रकाश डालिए। 20

7. बिहारी की काव्यभाषा और काव्यरूप की विशेषताओं पर विचार कीजिए। 20

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(क) सूरदास की काव्यभाषा

(ख) भक्तिकाल और कबीर

(ग) सतसई परंपरा और 'बिहारी सतसई'

(घ) मीराबाई पर विभिन्न संप्रदायों का प्रभाव

× × × × ×